विज्ञान प्रसार - इंडियन साइंस न्यूज एंड फिचर्स सर्विस

इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल-2016 का उद्घाटन

आम जनता तक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों को पहुंचाने एवं बच्चों में विज्ञान के प्रति रूचि जाग्रत करने के उद्देश्य के साथ आज नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय भौतिकी संस्थान में पांच दिवसीय इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल-2016 का उद्घाटन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के केन्द्रीय मंत्री डा हर्षवर्धन द्वारा किया गया। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्यमंत्री श्री वाय एस चैधरी भी उपस्थित है। हालांकि इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन 08 दिसंबर को माननीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह के द्वारा होगा।

उद्घाटन के अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा, जैवप्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. के. विजयराघवन, सीएसआईआर के डीजी श्री गिरिश साहनी एवं विभा के अध्यक्ष डा. विजय पी. भाटकर एवं जनरल सेक्रेटरी श्री ए. जयकुमार आदि भी उपस्थित थे।

उद्घाटन के अवसर पर डा हर्षवर्धन के कहा कि भारत ने आधुनिक विज्ञान की विभिन्न विधाओं जैसे नैनोप्रौद्योगिकी, जेवप्रौद्योगिकी आदि में महत्वपूर्ण मुकाम हासिल कर लिया है। ऐसे में विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने के लिए यह आयोजन देश का सबसे बड़ा आयोजन है। इस आयोजन को पिछली बार आरंभ किया गया था जिसमें करीबन चार लाख

लोगों ने भागीदारी की थी। इसके अलावा पिछले वर्ष एक विश्व रिकार्ड भी बना था जिसमें एक साथ दो हजार छात्रों ने विज्ञान के प्रयोगों को किया था।

इस वर्ष इसमें एक विज्ञान गांव भी बनाया गया है जहां देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले विद्यार्थी विज्ञान की विभिन्न गतिविधियां करेंगे। इस विज्ञान गांव में विभिन्न वैज्ञानिकों जैसे जे सी बोस, एस.चंद्रशेखर आदि के नाम पर अलग-अलग पांडाल बनाएं है जहां विद्यार्थी वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श करने के साथ ही वैज्ञानिक प्रयोगों को समझ सकेंगे।

इसके अलावा यह आयोजन वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं वैज्ञानिक चेतना के विकास में सहायक होगा जहां पूरे भारत से आने वाले वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी आपस में विचार- विमर्शकरेंगे। इस आयोजन में भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों को दर्शाया जा रहा है। इसमें युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के इंस्पायर कैम्प का आयोजन भी किया जा रहा है जिसमें करीबन 1000 प्रतिभाशाली विद्यार्थी भागीदारी करेंगे।

यहां इंटरनेशनल साइंस फिल्म फेस्टिवल का भी आयोजन हो रहा है जिसमें 10 देशों से 80 से अधिक फिल्में आयी हैं। इसके अलावा वैज्ञानिकों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकों को जनमानस तक पहुंचाने के लिए यहां वैज्ञानिक-उद्यमी सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। इसी दौरान मेगा साइंस एंड टेक्नोलॉजी एक्पो का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें करीबन 400 से अधिक वैज्ञानिक मॉडल एवं प्रदर्शनियां होंगी।

7 से 11 दिसंबर, 2016 के दौरान आयोजित होने वाले इस विज्ञान उत्सव में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा पोषित अनेक ऐसी परियोजनाओं की झलक आप देख सकते हैं जिन्हें स्थानिय स्तर पर विकसित किया गया है। ऐसे नवाचारों में पेयजल शुद्धिकरण फिल्टर, ऊर्जा संरक्षण संबंधित उपकरण, अनाज की नवीन किस्में, जैव उर्वरक आदि शामिल हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि इस वर्ष करीबन पांच लाख लोग इस विज्ञान मेले को देखने आएंगे।

नवनीत कुमार गुप्ता

7 दिसंबर, 2016